



“अत्यावश्यक आग्रह”

दिनांक 26.09.2026 एवं 27.09.2026 को हुई मूसलाधार बरसात के कारण जल संस्थान श्रीनगर की मुख्य पेयजल लाईन क्षतिग्रस्त होने के कारण जल संस्थान श्रीनगर द्वारा विश्वविद्यालय परिसर श्रीनगर एवं चौरास के जल संभरण टैंकों के लिये की जाने वाली जलापूर्ति बाधित हो गयी है जिसके कारण विश्वविद्यालय परिसरों में पेयजल समस्या उत्पन्न हो गयी है।

पेयजल आपूर्ति के इस गम्भीर संकट के परिदृश्य विश्वविद्यालय छात्रावासों एवं आवासों में अध्यासित छात्र-छात्राओं/कर्मचारियों/शिक्षकों से यह आग्रह है कि—

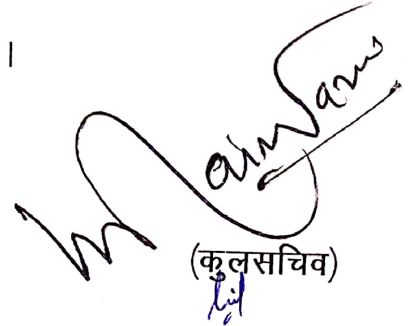
- 1— पेयजल का उपयोग मितव्ययिता के साथ करें।
- 2— विशेष रूप से वाहन धुलाई, क्यारियों में सिंचाई, फर्श एवं आंगन धुलाई जैसे गैर पेयजल विषयी कार्यों पर पेयजल उपयोग कदापि ना करें।
- 3— आवश्यकतानुसार पानी भरने के पश्चात नलों की टोटियों को बन्द कर दें।
- 4— जलापूर्ति बन्द रहने के समय पानी की टोटियों को खुला ना छोड़े, इससे पाइप में हवा भर जाने से पानी की आपूर्ति प्रभावित होती है।

अतः विश्वविद्यालय के सभी अध्यासितों/पेयजल उपभोक्ताओं से अपेक्षा की जाती है कि वर्तमान में पेयजल की कमी को दृष्टिगत रखते हुए यथा आग्रह आवश्यक सहयोग प्रदान करने का कष्ट करेंगे।

(कुलसचिव)

प्रतिलिपि:— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

1. निदेशक, श्रीनगर-चौरास परिसर।
2. उप-निदेशक चौरास परिसर/अधिष्ठाता छात्र कल्याण।
3. मुख्य छात्रावास अधीक्षक।
4. सिस्टम मैनेजर को इस आशय से कि इस आग्रह पत्र को विश्वविद्यालय वेबसाइट पर अपलोड करने का कष्ट करें।
5. निजी सचिव कुलपति, माननीय कुलपति महोदय के सादर अवलोकनार्थ।
6. कार्यालय प्रति (जल संस्थान से पत्राचार पत्रावली)।


(कुलसचिव)